समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

# BKC-शिल्फाटा अंडरसी टनल प्रोजेक्ट मे नंई ऑस्ट्रियन टनलिंग विधि ने बनाया मील का पत्थर

Publisher

Published on 20 Sep 2025

मुंबई में **BKC-शिल्फाटा अंडरसी टनल प्रोजेक्ट** के निर्माण में **नई ऑस्ट्रियन टनलिंग विधि** (Austrian Tunnelling Method) का उपयोग कर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया गया है। यह तकनीकी सफलता न केवल परियोजना की गति बढ़ाएगी बल्कि सुरक्षा और स्थायित्व को भी सुनिश्चित करेगी।

### BKC-शिल्फाटा अंडरसी टनल प्रोजेक्ट का महत्व

BKC (बैंड्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स) और शिल्फाटा को जोड़ने वाली यह अंडरसी टनल **मुंबई की यातायात समस्याओं को कम करने और शहर मे लॉजिस्टिक कनेक्टिविटी बढ़ाने** के उद्देश्य से बनाई जा रही है।

इस परियोजना से:

1. BKC और शिल्फाटा के बीच ट्रैफिक का दबाव कम होगा।
2. आवागमन समय में कमी आएगी।
3. मुंबई के औद्योगिक और व्यापारिक क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

### ऑस्ट्रियन टनलिंग विधि क्या है ?

**ऑस्ट्रियन टनलिंग विधि (ATM)** एक उन्नत भूमिगत निर्माण तकनीक है। इसमें टनलिंग करते समय **भू-तकनीकी परिस्थितियों और मिट्टी की स्थिरता का ध्यान रखते हुए** सावधानीपूर्वक उत्खनन किया जाता है।

इस विधि की विशेषताएं:

- मिट्टी और चट्टानों की स्थिति के अनुसार **रोकथाम और समर्थन प्रणाली** लागू करना।
- निर्माण के दौरान **भू-संरचना की सुरक्षा और स्थिरता** बनाए रखना।
- आपातकालीन परिस्थितियों में **तेज और सुरक्षित बचाव** संभव बनाना।

ऑस्ट्रियन टनलिंग विधि के उपयोग से निर्माण की गति तेज होती है और पर्यावरण पर कम प्रभाव पड़ता है।

**मील का पत्थर और सफलता**

BKC-शिल्फाटा अंडरसी टनल प्रोजेक्ट में **ऑस्ट्रियन टनलिंग विधि का सफल प्रयोग** पिछले कुछ महीनों की कठिनाइयों और भू-तकनीकी चुनौतियों को पार करने के बाद हासिल किया गया।

परियोजना प्रबंधक ने बताया:
*"[illegible]"*

इस सफलता के बाद **भविष्य के अंडरसी और भूमिगत प्रोजेक्ट्स के लिए भी यह विधि मार्गदर्शक साबित होगी।**

**तकनीकी चुनौतियां और समाधान**

अंडरसी टनल निर्माण में कई तकनीकी चुनौतियां आती हैं, जैसे:

1. **जल का दबाव और रिसाव** – ऑस्ट्रियन टनलिंग विधि में विशेष सीलिंग और वाटरप्रूफिंग तकनीक का उपयोग किया जाता है।
2. **भू-स्थिरता** – मिट्टी और चट्टानों की स्थिति के अनुसार समर्थन संरचना बनाई जाती है।
3. **सुरक्षा और आपातकालीन उपाय** – निर्माण कार्य के दौरान कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।

इस परियोजना में इन चुनौतियों को पार करने के लिए **विशेष इंजीनियरिंग उपकरण और तकनीकी विशेषज्ञों** की टीम कार्यरत रही।

**परियोजना की भविष्य की दिशा**

BKC-शिल्फाटा अंडरसी टनल प्रोजेक्ट अब **तेजी से आगे बढ़ेगा**, और अगले चरणों में:

- टनल की अंतर्निहित संरचना को मजबूती दी जाएगी।
- आपातकालीन निकासी मार्ग और वेंटिलेशन सिस्टम को स्थापित किया जाएगा।
- टनल के परीक्षण और निरीक्षण के बाद इसे यातायात के लिए खोलने की प्रक्रिया शुरू होगी।

इस परियोजना के पूरा होने के बाद मुंबई के **आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों मे यातायात सुधार** और **आर्थिक गतिविधियों मे वृद्धि** देखने को मिलेगी।

**विशेषज्ञों की राय**

इंजीनियरिंग विशेषज्ञों का मानना है कि ऑस्ट्रियन टनलिंग विधि के प्रयोग से भारत में अंडरसी और भूमिगत निर्माण के क्षेत्र में नई संभावनाएं खुल रही हैं।

एक वरिष्ठ इंजीनियर ने कहा:
*"[illegible]"*

*[illegible]”*

BKC-शिल्फाटा अंडरसी टनल प्रोजेक्ट में **ऑस्ट्रियन टनलिंग विधि का मील का पत्थर** भारतीय इंजीनियरिंग और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में एक नई सफलता है।

इस तकनीक ने परियोजना की गति, सुरक्षा और स्थायित्व को बढ़ाया है। जब यह टनल पूरा होगा, तो मुंबई के **यातायात सुधार, कनेक्टिविटी बढ़ाने और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.